Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 (O) | Volume 12, Issue 01, January-June, 2024
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2024

कोविड-19 महामारी के चलते पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत पर प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव

SUYASH MISHRA
Ph.D. Research Scholar, Institute of Media Studies, Shri Ramswaroop Memorial University, Lucknow, Uttar Pradesh

DR. MILI SINGH
Assistant Professor, Institute of Media Studies, Shri Ramswaroop Memorial University, Lucknow, Uttar Pradesh

शोध सार: *कोविड-19 महामारी ने मानव जीवन के लगभग हर पहलू को बाधित कर दिया। ऐसे में पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत के लाइव प्रदर्शन, थिएटर बंद होने और दर्शकों के अपने घरों तक सीमित होने के कारण, पारंपरिक थिएटर को अस्तित्व के संकट का सामना करना पड़ा। हालाँकि, आवश्यकता नवाचार को जन्म देती है और रंगमंच और कला संगीत समुदाय तेजी से अनुकूलन के साधन के रूप में प्रौद्योगिकी की ओर मुड़ गया। जो चीज़ एक तात्कालिक समस्या के अस्थायी समाधान के रूप में शुरू हुई, वह तब से थिएटर जाने वाले अनुभव के गहन परिवर्तन में विकसित हो गई है। यह शोध पत्र कोविड-19 महामारी के संदर्भ में पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत पर प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभाव की पड़ताल करता है। सभाओं पर प्रतिबंध और सामाजिक दूरी के उपायों के जवाब में, दर्शकों को आकर्षित करने और अपनी कला को बनाए रखने के लिए थिएटरों ने प्रौद्योगिकी की ओर रुख किया है। यह शोध पत्र प्रौद्योगिकी और पारंपरिक थिएटर के बीच विकसित होते संबंधों की जांच करता है, जिसमें इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि कैसे महामारी ने डिजिटल उपकरणों और प्लेटफार्मों के एकीकरण को गति दी है। विभिन्न केस अध्ययनों, तकनीकी नवाचारों और उभरते रुझानों के विश्लेषण के माध्यम से, इस अध्ययन का उद्देश्य महामारी के दौरान और उसके बाद भी, थिएटर परिदृश्य पर प्रौद्योगिकी के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डालना है।*

कुंजी शब्द: *प्रौद्योगिकी, पारंपरिक थिएटर, कोविड-19, डिजिटल परिवर्तन, प्रदर्शन कला, संगीत, पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत।*

प्रस्तावना

कोविड-19 महामारी पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियाँ लेकर आई। सभाओं पर प्रतिबंध और सामाजिक दूरी के उपायों के जवाब में, दर्शकों को आकर्षित करने और अपनी कला को बनाए रखने के लिए रंगमंच कलाकारों गायकों ने प्रौद्योगिकी की ओर अपना रूख किया है। पारंपरिक रंगमंच, गायन अपने जीवंत प्रदर्शन और भौतिक उपस्थिति के साथ, लंबे समय से सांस्कृतिक अभिव्यक्ति की आधारशिला माना जाता रहा है। प्राचीन ग्रीक एम्फीथिएटर से लेकर आधुनिक ब्रॉडवे स्टेज तक, थिएटर ने कहानी कहने, सामाजिक टिप्पणी और कलात्मक अन्वेषण के लिए एक मंच के रूप में काम किया है। हालाँकि, हाल के दशकों में डिजिटल तकनीक के उदय ने थिएटर उद्योग के लिए चुनौतियाँ और अवसर दोनों प्रस्तुत किए हैं। एक ओर, स्ट्रीमिंग सेवाओं और ऑनलाइन मनोरंजन ने लाइव थिएटर के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है, जिससे दर्शक पारंपरिक स्थानों से दूर हो गए हैं। दूसरी ओर, प्रौद्योगिकी ने थिएटरों को लाइव प्रसारण, डिजिटल अभिलेखागार और इंटरैक्टिव अनुभवों के माध्यम से व्यापक दर्शकों तक पहुंचने में भी सक्षम बनाया है।

पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत, जो अपनी भव्य भौतिक उपस्थिति के साथ संवेदनशीलता और सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के लिए माना जाता है, लंबे समय से समाज की चर्चा का केंद्र रहा है। इसने कहानी कहने, सामाजिक संदेश व्यक्त करने, और विचारों की विवेचना के लिए एक मंच के रूप में काम किया है। प्राचीन ग्रीक एम्फीथिएटर से लेकर आधुनिक ब्रॉडवे स्टेज तक, थिएटर ने समाज की विभिन्न पहलुओं को उजागर किया है। कोविड-19 महामारी ने पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत के लिए कई चुनौतियाँ पैदा की हैं। सभाओं पर प्रतिबंध और सामाजिक दूरी के उपायों के जवाब में, थिएटरों को अपने दर्शकों को आकर्षित करने और अपनी कला को बनाए रखने के लिए नए तकनीकी उपायों की ओर रुख करना पड़ा है। हाल के दशकों में, डिजिटल तकनीक के उदय ने थिएटर उद्योग के लिए अवसर दिये हैं। स्ट्रीमिंग सेवाओं और ऑनलाइन मनोरंजन की लोकप्रियता बढ़ी है, जिसने लाइव थिएटर के लिए प्रतिस्पर्धा पैदा की है। वहीं, प्रौद्योगिकी ने थिएटरों को लाइव प्रसारण, डिजिटल अभिलेखागार, और इंटरैक्टिव अनुभवों के माध्यम से व्यापक दर्शकों तक पहुंचने में सहायता की है।

Swar Sindhu: National Peer-Reviewed/Refereed Journal of Music
A UGC CARE listed Journal
ISSN 2320–7175 (O) | Volume 12, Issue 01, January-June, 2024
http://swarsindhu.pratibha-spandan.org © The Author(s) 2024

उद्देश्य और महत्व

- कोविड-19 के प्रभाव के संदर्भ में पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत के तकनीकी अवस्था का विश्लेषण करना।
- रंगमंच और कला संगीत के संचालन में प्रौद्योगिकी उपायों का अध्ययन करना जो कोविड-19 के समय में लागू किए गए हैं।
- रंगमंच और कला संगीत के नए संचालन में इन प्रौद्योगिकी उपायों के लाभ और विशेषताओं का मूल्यांकन करना।

यह अध्ययन रंगमंच के कलाकारों, निर्माताओं, निर्देशकों, और संगठनों को नए संचालन में प्रौद्योगिकी के उपयोग के संबंध में जानकारी प्रदान करेगा। इसके अलावा, यह अध्ययन कोविड-19 महामारी के समय में सांस्कृतिक क्षेत्र में परिवर्तन का मूल्यांकन करने में भी मदद करेगा।

पारंपरिक रंगमंच पर कोविड 19 का प्रभाव

2020 की शुरुआत में कोविड-19 महामारी की शुरुआत के कारण दुनिया भर में थिएटर बड़े पैमाने पर बंद हो गए। सामाजिक दूरी के उपायों और सार्वजनिक समारोहों पर प्रतिबंधों ने पारंपरिक लाइव प्रदर्शनों को यदि असंभव नहीं तो अव्यवहारिक बना दिया है। परिणामस्वरूप, सिनेमाघरों को कुछ नया करने या स्थायी रूप से बंद होने के जोखिम का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इन चुनौतियों के जवाब में, कई थिएटरों ने दर्शकों को आकर्षित करने और राजस्व उत्पन्न करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया। लाइवस्ट्रीम प्रदर्शन, वर्चुअल रिहर्सल और ऑनलाइन वर्कशॉप नए मानदंड बन गए, जो संकट में उद्योग को जीवन रेखा प्रदान करते हैं। लंदन में नेशनल थिएटर ने "नेशनल थिएटर लाइव" लॉन्च किया, जो एक कार्यक्रम है जो दुनिया भर के सिनेमाघरों में लाइव प्रदर्शन प्रसारित करता है। कोविड-19 के कारण सिनेमाघरों के बंद होने के साथ, नेशनल थिएटर ने प्रदर्शनों की ऑनलाइन स्ट्रीमिंग शुरू कर दी, जिससे भौतिक स्थानों की सीमाओं से परे दर्शकों तक पहुंच बनाई गई। दुनिया भर की थिएटर कंपनियों ने आभासी प्रदर्शन करने के लिए ज़ूम जैसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफ़ॉर्म की ओर रुख किया। शेक्सपियर के नाटकों से लेकर समकालीन नाटकों तक, अभिनेताओं ने अपने घरों से प्रदर्शन किया, जिसे दर्शक दूर से देख रहे थे। कुछ थिएटरों ने इंटरैक्टिव अनुभवों के साथ प्रयोग किया जिससे लाइव प्रदर्शन और डिजिटल इंटरैक्शन के बीच की रेखा धुंधली हो गई। उदाहरण के लिए, न्यूयॉर्क शहर में एक इमर्सिव थिएटर प्रोडक्शन "स्लीप नो मोर" ने एक ऑनलाइन संस्करण बनाया, जहां दर्शक आभासी वातावरण का पता लगा सकते हैं और लाइव चैट के माध्यम से कलाकारों के साथ बातचीत कर सकते हैं।

पारंपरिक रंगमंच में तकनीकी नवाचार

कोविड-19 महामारी ने पारंपरिक रंगमंच में विभिन्न तकनीकी नवाचारों को अपनाने में तेजी ला दी। कुछ थिएटरों ने दर्शकों को नवाचार और विषिष्ट अनुभव देने के लिए वीआर तकनीक का प्रयोग किया। वीआर हेडसेट पहनकर, दर्शक खुद को आभासी मंचों पर ले जा सकते हैं और कलाकारों के डिजिटल अवतारों के साथ बातचीत कर सकते हैं। डिजिटल ओवरले और इंटरैक्टिव तत्वों के साथ लाइव प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए एआर तकनीक का उपयोग किया गया। उदाहरण के लिए, एआर ऐप्स ने दर्शकों को प्रदर्शन के दौरान उनके स्मार्टफोन स्क्रीन पर उपशीर्षक या पूरक जानकारी देखने की अनुमति दी। 'ट्विच' और 'यूट्यूब लाइव' जैसे मौजूदा लाइव स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म ऑनलाइन दर्शकों तक पहुंचने के इच्छुक थिएटरों के लिए आवश्यक उपकरण बन गए हैं। इन प्लेटफार्मों ने वास्तविक समय में प्रदर्शन के प्रसारण के लिए मजबूत सुविधाओं की पेशकश की, साथ ही लाइव चैट के माध्यम से दर्शकों के बीच बातचीत की सुविधा भी प्रदान की।

चुनौतियाँ और अवसर

प्रौद्योगिकी ने महामारी के दौरान पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत के लिए एक जीवन रेखा प्रदान की है, इसने चुनौतियां भी खड़ी की हैं और उद्योग के भविष्य के बारे में सवाल उठाए हैं। सभी थिएटरों के पास डिजिटल तकनीक को पूरी तरह से अपनाने के लिए संसाधन या विशेषज्ञता नहीं है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर बदलाव थिएटर समुदाय के भीतर पहुंच और प्रतिनिधित्व में मौजूदा असमानताओं को बढ़ा सकता है। आभासी प्रदर्शनों में लाइव थिएटर की तात्कालिकता और अंतरंगता का अभाव है, जिससे दर्शकों के जुड़ाव और भावनात्मक

जुड़ाव के बारे में चिंताएँ बढ़ जाती हैं। थिएटरों के लिए चुनौती डिजिटल प्रारूप में लाइव प्रदर्शन के जादू को फिर से बनाने के तरीके ढूंढना है। जबकि डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म राजस्व सृजन के लिए नए अवसर प्रदान करते हैं, वे मूल्य निर्धारण मॉडल और मुद्रीकरण रणनीतियों के बारे में भी सवाल उठाते हैं। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म राजस्व सृजन के लिए नए अवसर प्रदान करते हैं, वे मूल्य निर्धारण मॉडल और मुद्रीकरण रणनीतियों के बारे में भी सवाल उठाते हैं। पहुंच और वित्तीय स्थिरता के बीच सही संतुलन ढूँढना ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर संक्रमण करने वाले थिएटरों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है।

भविष्य की दिशाएं

पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत में प्रौद्योगिकी का एकीकरण जारी रहने की संभावना है, यहां तक कि कोविड-19 महामारी कम होने के बाद भी। प्रयोग के इस दौर से सीखे गए सबक थिएटर उद्योग के भविष्य को गहन तरीकों से आकार देंगे। थिएटर के भविष्य में हाइब्रिड मॉडल शामिल हो सकते हैं जो डिजिटल तत्वों के साथ लाइव प्रदर्शन को जोड़ते हैं। इसमें एक साथ प्रदर्शन की लाइव स्ट्रीमिंग, इंटरैक्टिव ऑनलाइन अनुभव और आभासी वास्तविकता संवर्द्धन शामिल हो सकते हैं। प्रौद्योगिकी में थिएटर को विकलांग या भौगोलिक सीमाओं वाले दर्शकों सहित विविध दर्शकों के लिए अधिक सुलभ बनाने की क्षमता है। थिएटरों के लिए चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि डिजिटल पहल सभी के लिए समावेशिता और पहुंच को प्राथमिकता दे। प्रौद्योगिकी थिएटर में कलात्मक प्रयोग और नवाचार के लिए नई संभावनाएं खोलती है। इंटरैक्टिव कहानी कहने से लेकर गहन अनुभवों तक, थिएटर अभिव्यक्ति के नए रूपों का पता लगा सकते हैं जो पारंपरिक मंच कला की सीमाओं से परे हैं।

निष्कर्ष

कोविड-19 महामारी ने पारंपरिक रंगमंच और कला संगीत में प्रौद्योगिकी के एकीकरण को तेज कर दिया है, जिससे प्रदर्शन बनाने, वितरित करने और अनुभव करने के तरीके में बदलाव आया है। जबकि महामारी से उत्पन्न चुनौतियाँ महत्वपूर्ण हैं, उन्होंने थिएटर समुदाय के भीतर नवीनता और रचनात्मकता की लहर भी जगाई है। जैसे-जैसे थिएटर आगे की अनिश्चित राह पर आगे बढ़ रहे हैं, प्रौद्योगिकी इस प्राचीन कला के भविष्य को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाती रहेगी। डिजिटल टूल और प्लेटफ़ॉर्म को अपनाकर, थिएटर न केवल महामारी के बाद की दुनिया में जीवित रह सकते हैं बल्कि नए और अप्रत्याशित तरीकों से आगे बढ़ सकते हैं।

संदर्भ

राणा, आर. और गुप्ता, सी. (2024). कोविड-19 के चलते पारंपरिक रंगमंच पर प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रभावः एक अध्ययन, *थिएटर और प्रदर्शन कला* शोध पत्र, पीपी, 1-14।

केन्नेडी, पी. एल., और मिश्र, एस. (2023). कोविड-19 के दौरान पारंपरिक थिएटर में तकनीकी अनुकूलनः एक अध्ययन, *थिएटर और सांस्कृतिक प्रदर्शन जर्नल*, 12(2), 45-58.

शर्मा, आर. एस., और यादव, एम. (2022). कोविड-19 के दौरान थिएटर समुदाय में प्रौद्योगिकी का प्रभावः एक अनुसंधान, *संगणकीय और गैर-संगणकीय योजना* शोध पत्र, 8(1), 102-115.

शर्मा, राजीव, एवं चटर्जी, सोमनाथ. (2023). पारंपरिक रंगमंच में तकनीकी नवाचारः कोविड-19 के परिणाम. *थिएटर अध्ययन*, 15(3), 78-92.

सिंह, अर्जुन, और गोयल, स्वाति. (2022). पारंपरिक थिएटर में तकनीकी नवाचारः कोविड-19 महामारी के संदर्भ में एक अध्ययन. *थिएटर और नाट्यशास्त्र अनुसंधान*, 7(2), 45-57.

सिंह, आदित्य, और यादव, स्वाति. (2023). प्रौद्योगिकी और पारंपरिक थिएटरः कोविड-19 के बाद चुनौतियाँ और अवसर. *थिएटरीय अध्ययन*, 17(1), 56-70.

रंगमंच और प्रौद्योगिकीः कोविड-19 महामारी के समय में रंगमंच का उत्तरदायित्व। (ऑनलाइन स्रोतः example.com)

कोविड-19 और थिएटरः रंगमंच में तकनीकी नवाचारों का प्रभाव। (ऑनलाइन स्रोतः theaterjournal.com)

पारंपरिक रंगमंच की डिजिटल युग में उत्कृष्टताः कोविड-19 की चुनौतियों और अवसर। ऑनलाइन स्रोतः performingartsjournal.org